गद्य खंड

नेताजी का चश्मा

(स्वयं प्रकाश)

पाठ का सार

हालदार साहब द्वारा कस्बे से गुज़रते हुए मूर्ति को देखना

हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम से एक कस्बे से गुज़रते थे। इसी कस्बे के मुख्य बाज़ार में मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की मूर्ति लगी हुई थी, जिसे वह गुज़रते हुए हमेशा देखा करते थे। हालदार साहब ने जब पहली बार इस मूर्ति को देखा तो उन्हें लगा कि इसे नगरपालिका के किसी उत्साही अधिकारी ने बहुत जल्दबाज़ी में लगवाया होगा, क्योंकि मूर्ति संगमरमर की बनी थी और उसकी विशेषता यह थी कि उसका चश्मा वास्तविक था। हालदार साहब को मूर्ति बनाने वालों का यह नया विचार बहुत पसंद आया।

मूर्ति के बदलते चश्मे का कारण

हालदार साहब जब दूसरी बार वहाँ से गुज़रे तो उन्हें यह देखकर आश्चर्य हुआ कि इस बार नेताजी की मूर्ति पर दूसरा चश्मा लगा हुआ था। हालदार साहब ने वहाँ स्थित एक पान वाले से इसका कारण पूछा। उसने बताया कि कैप्टन इन चश्मों को बदलता रहता है, जो इधर-उधर घूमकर चश्मे बेचता है। यदि किसी ग्राहक ने मूर्ति के चश्मे जैसा फ्रेम माँगा तो वह उस फ्रेम को वहाँ से उतारकर ग्राहक को दे देता है और मूर्ति पर नया फ्रेम लगा देता है।

मूर्ति के चश्मे के पीछे की कहानी

हालदार साहब को पान वाले से यह जानकारी मिली कि कैप्टन को नेताजी की बिना चश्मे वाली मूर्ति अच्छी नहीं लगती थी इसलिए वह मूर्ति पर चश्मा लगा दिया करता था। हालदार साहब लगभग दो साल तक मूर्ति पर लगे चश्मे को बदलते देखते रहे।

एक दिन जब हालदार साहब फिर उसी कस्बे से निकले, तो उन्होंने देखा कि मूर्ति के चेहरे पर कोई चश्मा भी नहीं था। अगली बार भी उन्होंने मूर्ति को बिना चश्मे के देखा। उन्होंने पान वाले से इसका कारण पूछा, तो उसने बताया—'कैप्टन मर गया।' हालदार साहब को यह सोचकर बहुत दुःख हुआ कि अब नेताजी की मूर्ति बिना चश्मे के ही रहेगी।

मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा

अगली बार जब हालदार साहब उधर से निकले, तो उन्होंने सोचा कि अब वे मूर्ति को नहीं देखेंगे, किंतु आदत से मज़बूर होने के कारण जब उन्होंने चौराहे पर लगी हुई नेताजी की मूर्ति को देखा, तो उनकी आँखें भर आईं। मूर्ति पर किसी बच्चे ने सरकंडे का बना हुआ चश्मा लगा दिया था। हालदार साहब भावुक हो उठे कि बड़ों के साथ बच्चों में भी अर्थात् प्रत्येक नागरिक में देशभक्ति की भावना व्याप्त है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. पूरी बात तो अब पता नहीं, लेकिन लगता है कि देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी नहीं होने और अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान और उपलब्ध बजट से कहीं बहुत ज़्यादा होने के कारण काफी समय ऊहापोह और चिट्ठी-पत्री में बरबाद हुआ होगा और बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने की घड़ियों में किसी स्थानीय कलाकार को ही अवसर देने का निर्णय किया होगा और अंत में कस्बे के इकलौते हाई स्कूल के इकलौते ड्राइंग मास्टर मान लीजिए, मोतीलाल जी को ही यह काम सौंप दिया गया होगा, जो महीने भर में मूर्ति बनाकर 'पटक देने' का विश्वास दिला रहे थे।

(क) गद्यांश के आधार पर बताइए कि मूर्ति बनाने का अवसर किसे दिया गया?

(i) स्थानीय कलाकार को (ii) लेखक को
(iii) सरकारी कार्यालयों को (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) स्थानीय कलाकार को मूर्ति बनाने का कार्य क्यों सौंपा गया?

(i) देश के अच्छे मूर्तिकारों की जानकारी के अभाव में
(ii) नगरपालिका बोर्ड की शासनावधि समाप्त होने के कारण
(iii) (i) और (ii) दोनों
(iv) अच्छी मूर्ति बनाने के लिए

(ग) मूर्ति बनाने वाले कौन थे?

(i) कस्बे के हाईस्कूल के ड्राइंग मास्टर मोतीलाल जी
(ii) स्वयं प्रकाश जी
(iii) विदेशों से बुलाए गए एक मूर्तिकार
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) मूर्ति बनाने के मार्ग में क्या-क्या परेशानियाँ आई होंगी?

(i) अच्छे मूर्तिकारों का अभाव
(ii) उपलब्ध बजट का कम होना
(iii) (i) और (ii) दोनों
(iv) स्थानीय कलाकार का गुणी होना

(ङ) गद्यांश के आधार पर बताइए कि मोतीलाल जी ने मूर्ति बनाने का कार्य कब पूरा करने का विश्वास दिलाया?

(i) महीने भर में (ii) हफ्ते भर में
(iii) सप्ताह भर में (iv) इनमें से कोई नहीं

2. हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल! जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए।

महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है, वरना तो देशभक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है। दूसरी बार जब हालदार साहब उधर से गुज़रे तो उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया। ध्यान से देखा तो पाया कि चश्मा दूसरा है।

पहले मोटे फ्रेम वाला चौकोर चश्मा था, अब तार के फ्रेम वाला गोल चश्मा है। हालदार साहब का कौतुक और बढ़ा। वाह भई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा तो बदल ही सकती है।

(क) हालदार साहब के चकित होने का क्या कारण था?

(i) पत्थर की मूर्ति पर असली का चश्मा लगा होना
(ii) मूर्ति का साफ-सुथरा होना
(iii) कस्बे की स्वच्छता
(iv) उपरोक्त सभी

(ख) हालदार साहब को कस्बे के नागरिकों का कौन-सा प्रयास सराहनीय लगा?

(i) नेताजी की मूर्ति लगाने का कार्य
(ii) मूर्ति पर चश्मा पहनाने का कार्य
(iii) पानवाले का कार्य
(iv) उपरोक्त सभी

(ग) गद्यांश के आधार पर बताइए कि देशभक्ति की भावना किसमें होती है?

(i) किसी भी व्यक्ति में
(ii) केवल अच्छे व्यक्ति में
(iii) निम्न स्तर के व्यक्ति में
(iv) सैनिकों में

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(घ) दूसरी बार मूर्ति में क्या परिवर्तन दिखाई दिया?
(i) तार के फ्रेम वाला गोल चश्मा था
(ii) मोटा चश्मा था
(iii) पतला चश्मा था
(iv) उपरोक्त सभी

(ङ) पहली बार मूर्ति पर किस प्रकार का चश्मा लगा था?
(i) मोटे फ्रेमवाला चौकोर चश्मा
(ii) मोटे फ्रेम, वाला लम्बा चश्मा
(iii) छोटा चश्मा
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. हालदार साहब को पानवाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लँगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आँखों पर काला चश्मा लगाए, एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बाँस पर टँगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस टिका रहा था, तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए। पूछना चाहते थे, इसे कैप्टन क्यों कहते हैं? क्या यही इसका वास्तविक नाम है? लेकिन पानवाले ने साफ़ बता दिया था कि अब वह इस बारे में और बात करने को तैयार नहीं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश में देशभक्त किसे कहा गया है?
(i) हालदार साहब को
(ii) कैप्टन चश्मे वाले को
(iii) सामान्य आदमी को
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ख) गद्यांश के आधार पर बताइए कि हालदार साहब किसे देखकर आश्चर्यचकित हो गए?
(i) पानवाले को
(ii) मूर्ति को
(iii) कैप्टन चश्मे वाले को
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ग) चश्मे वाला चश्मे किसमें रखता था?
(i) अपनी दुकान में
(ii) एक छोटी सी संदूकची और एक बाँस पर टाँगकर
(iii) दुकान में रखे गए काँच के काउंटर में
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) हालदार साहब क्या पूछना चाहते थे?
(i) चश्मे वाले को कैप्टन क्यों कहते हैं
(ii) कैप्टन कहाँ रहता था
(iii) कैप्टन कैसा दिखता था
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(ङ) कैप्टन चश्मे वाला सिर पर क्या पहनता था?
(i) पगड़ी (ii) फौजी टोपी
(iii) गाँधी टोपी (iv) इनमें से कोई नहीं

4. अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था। हालदार साहब ने पान खाया और धीरे से पानवाले से पूछा—क्यों भई! क्या बात है? आज़ तुम्हारे नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं है? पानवाला उदास हो गया। उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला– साहब! कैप्टन मर गया। और कुछ नहीं पूछ पाए हालदार साहब। कुछ पल चुपचाप खड़े रहे, फिर पान के पैसे चुकाकर जीप में आ बैठे और रवाना हो गए।

(क) हालदार साहब ने पानवाले से कौन-सा प्रश्न पूछा था?
(i) नेताजी की मूर्ति किसने लगाई
(ii) नेताजी की मूर्ति कहाँ है
(iii) कैप्टन कहाँ गया
(iv) आज नेताजी की आँखों पर चश्मा क्यों नहीं है

(ख) गद्यांश के आधार पर बताइए कि हालदार साहब के प्रश्न पूछने पर पानवाले की क्या प्रतिक्रिया थी?
(i) खुश हो गया (ii) उदास हो गया
(iii) चिंतित हो गया (iv) इनमें से कोई नहीं

(ग) हालदार साहब मूर्ति के समक्ष रुकना क्यों नहीं चाहते थे?
(i) कैप्टन चश्मे वाला मर चुका था
(ii) पानवाला जा चुका था
(iii) हालदार साहब को जल्दी जाना था
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) हालदार साहब द्वारा पानवाले से और कुछ नहीं पूछ पाने का क्या कारण था?
(i) खुश होने के कारण
(ii) मृत्यु का समाचार सुनकर
(iii) दु:खी होने के कारण
(iv) उपरोक्त सभी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ) कैप्टन की मृत्यु के विषय में जानकर हालदार साहब ने क्या सोचा?
(i) आज कस्बे में नहीं रुकेंगे
(ii) पान भी नहीं खाएँगे
(iii) मूर्ति की ओर भी नहीं देखेंगे
(iv) उपरोक्त सभी

5. बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-ज़िंदगी सब कुछ छोड़ देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है। दु:खी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुज़रे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया कि कस्बे कि हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा....! क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया।.... और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

(क) हालदार साहब कस्बे से कब गुजरे
(i) दो दिन बाद (ii) दस दिन बाद
(iii) पंद्रह दिन बाद (iv) सोलह दिन बाद

(ख) अपने लिए बिकने के मौके कौन ढूँढते हैं?
(i) स्वार्थी लोग
(ii) देशभक्त लोग
(iii) कस्बे में रहने वाले लोग
(iv) देश के लिए अपना सर्वस्व होम कर देने वाले लोग

(ग) हालदार साहब ने ड्राइवर से क्या कहा?
(i) आज बहुत काम है
(ii) चौराहे पर रुकना नहीं
(iii) पान कहीं आगे खा लेंगे
(iv) उपरोक्त सभी

(घ) कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब को क्या ख्याल आया?
(i) चौराहे पर सुभाष की मूर्ति अवश्य होगी
(ii) लेकिन मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं होगा
(iii) मास्टर चश्मा बनाना भूल और कैप्टन मर गया
(iv) उपरोक्त सभी

(ङ) 'चौराहा' में कौन-सा समास है?
(i) द्विगु समास
(ii) अव्ययीभाव समास
(iii) द्वंद्व समास
(iv) तत्पुरुष समास

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. मूर्ति के निर्माण में नगरपालिका को देर क्यों लगी होगी?
(क) मूर्तिकार न मिलने के कारण
(ख) संगमरमर न मिलने के कारण
(ग) मूर्ति स्थापना के लिए स्थान न मिलने के कारण
(घ) धन के अभाव के कारण

2. मूर्ति बनाने में काफी समय ऊहापोह तथा चिट्ठी-पत्री में क्या बरबाद हुआ?
(क) मूर्तिकारों की जानकारी न होने तथा अच्छी मूर्ति की लागत अनुमान व उपलब्ध बजट ज्यादा होने के कारण
(ख) स्थानीय कलाकारों की ज्यादा उपलब्धता होने के कारण
(ग) मुख्य मूर्तिकारों की ज्यादा उपलब्धता होने के कारण
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. नेताजी की मूर्ति किस चीज की बनी थी?
(क) मिट्टी की (ख) संगमरमर की
(ग) लकड़ी की (घ) इनमें से कोई नहीं

4. मूर्ति में किस चीज की कमी रह गई थी?
(क) नेताजी की वर्दी की (ख) नेताजी के चश्मे की
(ग) नेताजी की घड़ी की (घ) इनमें से कोई नहीं

5. 'नेताजी का चश्मा' कहानी में कैप्टन कौन था?
(CBSE प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र 2020)
(क) हालदार साहब (ख) पानवाला
(ग) चश्मे बेचने वाला (घ) अध्यापक

6. कैप्टन चश्मे वाले को किस बात का दु:ख होता था?
(क) नेताजी की मूर्ति बिना चश्मे की थी
(ख) उसके चश्मों की बिक्री बहुत कम होती थी
(ग) नेताजी की मूर्ति की सफाई नहीं होती थी
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

7. कैप्टन मूर्ति का चश्मा बार-बार क्यों बदल देता था?
(क) उसे चश्में बदलना अच्छा लगता था
(ख) मूर्ति को पहनाया हुआ चश्मा बिक जाने के कारण
(ग) वह नेताजी को प्रतिदिन नए चश्मे पहनाता था
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

8. हालदार साहब को पानवाले की कौन-सी बात अच्छी नहीं लगी?
(क) कैप्टन चश्मे वाले के बारे में बताने में
(ख) एक देशभक्त का मजाक उड़ाए जाने में
(ग) पान बनाने में
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

9. 'नेताजी का चश्मा' कहानी में देशभक्तों का अनादर करने वाला पात्र कौन था?
(क) हालदार (ख) हालदार का ड्राइवर
(ग) पानवाला (घ) कैप्टन

10. कैप्टन को देखकर हालदार साहब अवाक् क्यों रह गए थे?
(क) क्योंकि कैप्टन बहुत बहादुर था
(ख) क्योंकि कैप्टन का व्यक्तित्व आकर्षित करने वाला था
(ग) क्योंकि कैप्टन वास्तव में कैप्टन ही था
(घ) क्योंकि कैप्टन बूढ़ा, मरियल तथा लँगड़ा आदमी था

11. पानवाला किस बारे में और बात करने को तैयार नहीं था?
(क) मूर्ति के बारे में (ख) कैप्टन चश्मे वाले के बारे में
(ग) अपने पान के बारे में
(घ) हालदार साहब के बारे में

12. लेखक ने पानवाले के चरित्र की प्रमुख विशेषता क्या बताई है?
(क) वह चालाक है
(ख) वह धोखेबाज है
(ग) वह बातों का धनी है
(घ) वह गरीब और ईमानदार है

13. दो साल तक कस्बे से गुजरते हुए हालदार साहब क्या देखते रहे?
(क) नेताजी की मूर्ति में बदलते हुए चश्मों को
(ख) कैप्टन चश्मे वाले को चश्मे बेचते हुए
(ग) पान वाले द्वारा पान बनाते हुए
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

14. पानवाला क्यों उदास हो गया था?
(क) उसके पान बिक नहीं रहे थे
(ख) नेताजी की मूर्ति पर कोई चश्मा नहीं था
(ग) कैप्टन चश्मे वाला मर गया था
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

15. हालदार साहब क्यों दु:खी हो गए?
(क) कैप्टन चश्मे वाला मर गया था
(ख) दुनिया देश के लिए सब कुछ होम करने वाले व्यक्तियों पर क्यों हँसती है, यह सोचकर
(ग) पानवाला अपने पान नहीं बेच रहा था
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

16. कैप्टन के मरने के बाद हालदार साहब ने क्या सोचा?
(क) अब वे चौराहे पर रुकेंगे नहीं और न ही मूर्ति की तरफ देखेंगे
(ख) अब मूर्ति को चश्मा कौन पहनाएगा
(ग) अब वे चौराहे पर पान नहीं खाएँगे
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

17. चौराहे पर मूर्ति को देखकर हालदार साहब भावुक क्यों हो गए?
(क) मूर्ति की आँखों पर कोई चश्मा न देखकर
(ख) मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ देखकर
(ग) कैप्टन चश्मे वाले को याद कर
(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

18. 'नेताजी का चश्मा' कहानी के लेखक कौन हैं?
(क) प्रेमचंद (ख) यशपाल
(ग) कमलेश्वर (घ) स्वयं प्रकाश

उत्तरमाला

गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. क (i), ख (iii), ग (i), घ (iii), ङ (i)
2. क (i), ख (ii), ग (i), घ (i), ङ (i)
3. क (ii), ख (iii), ग (ii), घ (i), ङ (iii)
4. क (iv), ख (ii), ग (i), घ (iii), ङ (iii)
5. क (iii), ख (i), ग (iv), घ (iv), ङ (i)

अध्याय पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (घ) *2.* (क) *3.* (ख) *4.* (ख) *5.* (ग) *6.* (क) *7.* (ख) *8.* (ख) *9.* (ग) *10.* (घ)
11. (ख) *12.* (ग) *13.* (क) *14.* (ग) *15.* (ख) *16.* (क) *17.* (ख) *18.* (घ)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in